BUREAU OF INDIAN STANDARDS

FOR IMMEDIATE RELEASE

Press Note No: PRD/Press Note/10/2019-20 26th July 2019

BIS FLAGS OFF AN ADVENTURE RALLY TO LEH

Bureau of Indian Standards today flagged off an adventure rally to Leh with an objective to sensitize people about its soon to be launched Standards on Pashmina products. The BIS caravan left the headquarters, once the Honorable Member of Parliament of Ladakh region, Shri Jamyang Tsering Namgyal in the august presence of Director General, BIS, Smt, Surina Rajan flagged off the rally.

BIS has developed an Indian Standard on the test method for identification of Pashmina product that will be implemented through the BIS Conformity Assessment Schemes. BISis also developing the use of Artificial Intelligence called Active Element Signature Technology to determine the purity of Pashmina products.The identification, marking and labelling of Pashmina products under Pashmina Standards will be launched on 2nd of August 2019 in Leh.

The Honorable Member of Parliament commended the efforts of BIS in bringing Standards to the Pashmina industry and said that the people of Ladakh are honored and pleased to see the hard work done in this direction. He said, Pashmina is a gift to the world and people must know where it comes from and what goes into producing one of the finest fibre. The nomadic communities will get a significant boost with the introduction of Standards in the industry that will also curb the rampant marketing of fake Pashmina products.

Speaking on the occasion, Smt. Surina Rajan, DG, BIS said that the need to identify the specific issues of Pashmina, Carpet and Handloom Products can be addressed through standardization and conformity assessment of BIS which will result in improving the economic status of workers and artisans. She said, the standards on Pashmina will also protect the interests of consumers when buying this premium product.

The adventure rally is a precursor event for the launch of Standards on Pashmina and the motive behind this initiative is to create awareness among the people about Pashmina and how the industry requires significant push in order to revive the social and economic status of breeders and growers of Pashmina in Ladakh.

The BIS headquarters rumbled with engines soaring this morning which included more than twenty bikes, SUVs and a service truck that is on its way to the origin of pure Pashmina. The rally will pass through Changthang, Tso-Morari, Pangong Tso, Nubra Valley, and Khardungla Pass. It will also go to Batalik Border, Kargil & Suru Valley as well. The rally will meet the Changpas, a nomadic race in Changthang sub division of Leh, Ladakh and Zanskar valley of Kargil to understand and document the entire process of Pashmina industry knowing the fact that Pashmina goats in Ladakh produces the finest quality of raw Pashmina fibre in the world.

Alka
Deputy Director, PR
9818029017

An Initiative by Bureau of Indian Standards
Junoon e Pashm
Drive for Pashmina

TN09 CE 5076

भारतीय मानक ब्यूरो

तत्काल जारी करने हेतु

प्रेस नोट सं: पीआरडी /प्रेस नोट/10/2019-20 26 जुलाई 2019

बीआईएस ने लेह के लिए एडवेंचर रैली को झंडा दिखाकर रवाना किया

भारतीय मानक ब्यूरो ने आज लेह के लिए एडवेंचर रैली को रवाना किया जिसका उद्देश्य इसके पशमीना उत्पादों के बारे में लांच होने वाले भारतीय मानक के विषय में लोगों को संवेदनशील बनाना है। बीआईएस के दल को मुख्यालय से लद्दाख क्षेत्र के सांसद श्री जमायांग, तेसरिंग नामगयाल ने महानिदेशक, बीआईएस, श्रीमती सुरीना राजन की गरिमामयी उपस्थिति में झंडा दिखाकर रवाना किया।

बीआईएस ने पशमीना उत्पादों की पहचान के लिए परीक्षण का तरीका विकसित किया है जिसका कार्यान्वयन बीआईएस अनुरूपता मूल्यांकन योजना के द्वारा किया जाएगा। बीआईएस पशमीना उत्पादों की शुद्धता के निर्धारण के लिए आर्टीफीशियल इंटेलीजेंस का विकास कर रही है जोकि एक्टिव इंटेलिजेंस सिग्नेचर टेक्नॉलोजी कहलाती है। पशमीना मानक के अंतर्गत 2 अगस्त 2019 को लेह में पशमीना उत्पादों का चिन्हांकन, मुहरांकन और लेबलिंग शुरू होगी।

माननीय सांसद ने पशमीना उद्योग में मानक लाने के लिए बीआईएस के प्रयासों की सराहना की और कहा कि लद्दाख के लोग इस दिशा में कठिन परिश्रम देखकर गौरव और प्रसन्नता महसूस कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि पशमीना दुनिया को तोहफा है और लोगो को जानना चाहिए कि यह कहाँ से आता है औऱ और किस तरह इस बेहतरीन धागे का उत्पादन होता है।इस उद्योग में मानकों के आने से घुमंतु जातियों को प्रोत्साहन मिलेगा जिससे नकली पशमीना उत्पादों के विपणन पर भी रोक लगेगी।

इस अवसर पर श्रीमती सुरीना राजन महानिदेशक बीआईएस ने कहा कि पशमीना, दरी और हैंडलूम उत्पादों से जुडे विशिष्ट मामलों को बीआईएस के मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन से ही जाना जा सकता है जिससे कि कामगारों और कारीगरों के आर्थिक दशा में सुधार होगा।उन्होंने कहा कि इस उद्योग में मानकों के आने से प्रीमियम उत्पादों को खरीदते समय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा भी होगी।

यह एडवेंचर रैली पशमीना पर मानक लांच करने का पूर्वगामी कार्यक्रम है और इसका उद्देश्य पशमीना के बारे में लोगो में जागरुकता पैदा करना है तथा इससे लद्दाख में पशमीना पैदा करने और उगाने वालों की आर्थिक दशा को बेहतर करने के लिए इस उद्योग को बल मिलेगा।

आज सुबह बीआईएस मुख्यालय में इंजनों की तेज घडघडाहट थी जिसमें बीस मोटरसाइकिल, एसयूवी और एक सर्विस ट्रक शामिल थे जोकि शुद्ध पश्मीना के उद्गम स्थल की ओर रवाना हुए। यह रैली चांगथांग, सो-मोरारी, पैंगोंग सो , नुबरा घाटी और खरडूंगला दर्रे से होकर गुजरेगी। यह बटालिक सीमा, कारगिल और सूरू घाटी भी जाएगी। यह रैली लेह, लद्दाख औऱ कारगिल की जानसकार घाटी की चांगपास घुमंतु जाती से भी मिलेगी ताकि पशमीना उद्योग की पूरी प्रक्रिया को समझा जा सके और प्रलेखित किया जा सके क्योंकि लद्दाख की पशमीना बकरियों सेही दुनिया का उत्कृष्ट पशमीना धागा निकलता है ।

अलका
उपनिदेशक, जनसंपर्क विभाग
9818029017